राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 3 अंक 301

मूल्य ₹6 .00, नई दिल्ली, बुधवार, 8 अप्रैल 2020

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सनी का हर शतक देगा एक लाख की राहत

>> 12

कोरोना मीटर

(स्रोत : वर्ल्डोमीटर्स डॉट इंफो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

	विश्व	अमेरिका	स्पेन	भारत	1 अप्रैल की स्थिति	दिल्ली
कुल केस	13,63,123	3,68,174	1,40,510	5,293	1,545	576
मौतें	76,383	10,966	13,798	169	31	9
स्वस्थ हुए	2,93,839	19,814	43,208	359	126	20

भारत के प्रमुख राज्य

राज्य	केस	मौतें
महाराष्ट्र	1018	47
तमिलनाडु	690	5
तेलंगाना	364	11
राजस्थान	343	3
उत्तर प्रदेश	336	7
केरल	336	7
आंध्र प्रदेश	304	3
हरियाणा	152	4
अन्य	1174	73

रात 11 :30 बजे तक

अन्य प्रमुख देश

देश	इटली	जर्मनी	फ्रांस
केस	1,32,547	1,03,717	98,010
मौतें	16,523	1,822	8,911

नोट : कोरोना से प्रभावित लोगों के संदर्भ में आंकड़े उल्लिखित दो स्रोतों के अतिरिक्त जागरण न्यूज नेटवर्क के रूप में अन्य माध्यमों से भी लिए गए हैं। अत : तालिका तथा दैनिक जागरण के इस अंक में प्रकाशित सामग्री में आंकड़ों का अंतर संभव है।

हेल्पलाइन नंबर

कोरोना से जुड़ी सही जानकारी देने के लिए भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों को मोबाइल में सुरक्षित करके कोई भी प्रामाणिक सूचना पाई जा सकती है। कृपया नंबर दर्ज करके वाट्सएप पर सिर्फ नमस्कार का संदेश भेजें। तुरंत एक मेन्यू आएगा, जिसके अनुसार वांछित जानकारी ली जा सकती है।

who:+41 798931892

mygov : +9190131515515

मरीजों के लिए स्वास्थ्य केंद्रों को तीन वर्गों में बांटने का प्रस्ताव ● पेज 5

रेलवे वर्कशॉप में रोजाना तैयार होंगे एक हजार कवरऑल शूट ● पेज 6

इस्लाम को समझें मुस्लिम, हदीस में है शारीरिक दूरी का जिक्र ● पेज 7

सरोकार

100 रुपये में घर बैठे कराएं कोरोना की प्रारंभिक जांच

नई दिल्ली : कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में देश के वैज्ञानिकों-उद्यमियों के प्रयास भी रंग लाते दिख रहे हैं। इस समय जांच सबसे जरूरी है। वाराणसी और पुणे के युवाओं ने सस्ती जांच किट उपलब्ध कराने में सफलता पाई है। (पेज-13)

जागरण विशेष

को नहीं जानत है जग में कपि संकट मोचन नाम तिहारो...

रांची : भगवान राम व कृष्ण के जन्म स्थान से तो हर कोई परिचित है किंतु अनेक को ज्ञात नहीं होगा कि हनुमान जी का जन्म कहां हुआ। एकाधिक मान्यताएं हैं, जिनमें झारखंड स्थित अंजनी गुफा के प्रमाण अधिक निकट हैं। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

नेशनल कैपिटल ▶ पृष्ठ 2

11वीं के पाठ्यक्रम में तीन नए कौशल विषय जोड़ेगा सीबीएसई

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सत्र 2020-2021 से कक्षा 11वीं के पाठ्यक्रम में तीन नए कौशल विषय शुरू करेगा। नए विषय होंगे-डिजाइन-थिंकिंग, फिजिकल एक्टिविटी ट्रेनर व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन आइसीयू में

लंदन : ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन को हालत बिगड़ने पर सोमवार देर रात अस्पताल में भर्ती कराया गया,उन्हें कृत्रिम ऑक्सीजन दी जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसे एहतियातन उठाया गया कदम बताया है।

शिक्षण संस्थान-धार्मिक स्थल 15 मई तक रहें बंद

जीओएम की सिफारिश ▶ देश भर में एकसाथ नहीं चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए लॉकडाउन

14 अप्रैल को खत्म हो रही है लॉकडाउन की अवधि, राज्यों के रुख पर होगा फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लॉकडाउन की तारीख बढ़े या नहीं, लेकिन इस बात के संकेत स्पष्ट हैं कि 14 अप्रैल के बाद भी सबकुछ नहीं खुलेगा। मंगलवार को देश में कोरोना के हालात को लेकर उच्च स्तरीय मंत्रिसमूह (जीओएम) की बैठक हुई। इसमें लॉकडाउन पर कोई फैसला नहीं लिया गया, लेकिन शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों को 15 मई तक बंद रखने की सिफारिश अवश्य की गई। जीओएम ने शॉपिंग मॉल को भी 14 अप्रैल के बाद चार हफ्ते और बंद रखने को कहा है। जीओएम की बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस हफ्ते स्थिति देखने के बाद ही लॉकडाउन को लेकर फैसला लिया जाएगा। कोरोना के मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या और राज्यों की मांग को देखते हुए लॉकडाउन को 14 अप्रैल के बाद भी कुछ दिन और बढ़ाया जा सकता है।

सरकार लॉकडाउन को खत्म करने को लेकर एक विस्तृत प्लान पर विचार कर रही है, ताकि कोरोना को फैलने से रोका भी जा सके और देश के बाकी हिस्से में आर्थिक गतिविधियां भी शुरू की जा सकें। इसी दिशा में चर्चा के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के निवास पर जीओएम की बैठक हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान समेत कई अन्य मंत्री मौजूद रहे। बैठक में देश में कोरोना वायरस के मौजूदा हालात पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन 14 अप्रैल के बाद लॉकडाउन को आगे बढ़ाने या खत्म करने पर कोई फैसला नहीं हुआ। बाद में स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और हालात को देखते हुए ही कोई फैसला लिया जाएगा। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की ओर से लॉकडाउन बढ़ाने की मांग के बारे में पूछे जाने पर लव अग्रवाल ने साफ-साफ कुछ भी बोलने से मना कर दिया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने लॉकडाउन को कोरोना को रोकने में सफल बताते हुए इस पर फैसला केंद्र सरकार पर छोड़ दिया है। केरल ने लॉकडाउन को अचानक खत्म करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से हटाने की सलाह दी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत अन्य राज्य भी जरूरत पड़ने पर लॉकडाउन बढ़ाने या चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन हटाने के पक्ष में हैं।

सरकार लॉकडाउन पर कोई भी फैसला देश हित में और सभी राजनीतिक दलों को भरोसे में लेकर ही करेगी। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से कोरोना के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। इसके पहले प्रधानमंत्री सभी मुख्यमंत्रियों के साथ इस मुद्दे पर दो बार चर्चा कर चुके हैं। 14 अप्रैल के पहले वे मुख्यमंत्रियों के साथ एक बार फिर चर्चा कर सकते हैं। उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने लॉकडाउन पर फैसले के लिहाज से अगले एक हफ्ते को अहम माना है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सरकार जो भी फैसला करे, उसमें सहयोग करें।

नोएडा, आगरा, पूर्वी दिल्ली की तारीफ : फिजिकल डिस्टेंसिंग के निर्देशों को कड़ाई से लागू कर कोरोना का प्रसार रोकने के लिए लव अग्रवाल ने आगरा, नोएडा, पूर्वी दिल्ली और भीलवाड़ा जैसे कई जिला प्रशासन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि कभी हॉटस्पॉट के रूप में सामने आए ये जिले आज अन्य जिलों के लिए कोरोना को नियंत्रित करने में रोल मॉडल बनकर उभरे हैं। लव अग्रवाल ने कहा कि राज्यों को कोरोना के मरीजों के प्रबंधन के लिए विस्तृत गाइडलाइंस भी जारी की गई हैं। इसमें राज्यों को कोरोना के माइल्ड, मॉडरेट और सिवियर केस के लिए अलग-अलग व्यवस्था करने को कहा गया है। कोरोना के माइल्ड मरीजों के लिए किसी भी तरह के सपोर्ट सिस्टम की जरूरत नहीं पड़ेगी और सामान्य दवाओं से उनका इलाज हो सकता है। मॉडरेट के कुछ मामलों में और सिवियर केस में वेंटिलेटर जैसे लाइफसपोर्ट सिस्टम की व्यवस्था अनिवार्य है।

कुछ अहम सुझाव

- धार्मिक केंद्रों और मॉल आदि पर ड्रोन से नजर रखी जाए
- लॉकडाउन हटने के बाद भी प्राइमरी स्कूल तुरंत न खुलें
- दूसरे राज्यों में आने-जाने पर कुछ पाबंदियां लगाई जाएं
- सार्वजनिक परिवहन सीमित समय में ही चलाया जाए
- भीड़ वाले कार्यालयों में लोगों का नियंत्रित आना-जाना हो

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रियों के समूह की बैठक हुई। जिसमें गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। बैठक में लॉकडाउन के मुद्दे पर चर्चा हुई। प्रेट्र

एक मरीज 406 लोगों को कर सकता है संक्रमित

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने आइसीएमआर के अध्ययन का हवाला देते हुए कहा, कोरोना का एक मरीज एक दिन में औसतन 2 .5 लोगों को संक्रमित करता है। इस तरह वह 30 दिन में 406 लोगों तक कोरोना का वायरस पहुंचा देता है। लॉकडाउन और दूसरे फिजिकल डिस्टेंसिंग के कदमों को कड़ाई से लागू कर इसके फैलने की गति 75 फीसदी तक कम करने में सफलता मिलती है। इससे एक मरीज 30 दिन में 2 .5 लोगों को कोरोना फैला पाएगा। अध्ययन से स्पष्ट है कि दूरी बनाकर रखने से कोरोना के प्रसार को रोकने में सफलता मिल सकती है।

दिल्ली के हॉटस्पॉट इलाकों में एक लाख रैंडम टेस्ट की तैयारी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : कोरोना वायरस से लड़ने के लिए दिल्ली में अब दक्षिण कोरिया की तर्ज पर रैंडम टेस्ट किए जाएंगे। इसके लिए दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने एक लाख रैपिड किट के ऑर्डर दे दिए हैं। शुक्रवार को इनकी डिलीवरी शुरू हो जाएगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है निजामुद्दीन स्थित तब्लीगी जमात के मरकज में बहुत मरीज निकले हैं। उसके आसपास रैपिड टेस्ट से ज्यादा से ज्यादा लोगों की जांच करेंगे। कोरोना वायरस के संक्रमण के लिहाज से निजामुद्दीन और उसके आसपास के क्षेत्रों को हॉटस्पॉट माना जा रहा है। केजरीवाल ने मंगलवार को डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में कोरोना से लड़ने के तहत पांच सूत्रीय फार्मूला तैयार किया गया है, जिसे फाइव टी नाम दिया है। इसके तहत तीस हजार एक्टिव मरीजों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार की गई है। केजरीवाल ने कहा कि जिन्हें कैंसर, लीवर, शुगर, सांस की बीमारी है या जिनकी उम्र पचास से ऊपर है, उन्हें अस्पताल में जगह मिलेगी। बाकी मरीजों को होटल में रखा जाएगा, वहां भी डॉक्टर व नर्स मौजूद होंगी।

चिह्नित मरीजों पर नजर रखना जरूरी पेज>>2

अमेरिका समेत जरूरतमंद देशों को क्लोरोक्विन देगा भारत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मलेरिया की दवा हाइड्रोक्सी क्लोरोक्विन (एचसीक्यू) की दुनिया भर में बढ़ती मांग को देखते हुए भारत ने कुछ देशों को इसकी आपूर्ति करने की छूट दे दी है। गत शनिवार को ही भारत ने कोरोना वायरस में कारगर समझी जाने वाली इस दवा के निर्यात को प्रतिबंधित किया था, लेकिन अमेरिका व अन्य देशों को एचसीक्यू के साथ ही पैरासिटामॉल (पीसीएम) की आपूर्ति करने की छूट कंपनियों को दे दी गई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया कि कोविड-19 पूरी दुनिया में पैर फैला रहा है, उसे देखते हुए अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में सहयोग व सद्भावना और मजबूत होनी चाहिए। इस भावना के तहत ही भारत ने दूसरे देशों को अपने नागरिकों को निकालने की अनुमति दी है। साथ ही फैसला किया है कि वह पड़ोसी देशों को पर्याप्त मात्रा में पैरासिटामॉल व एचसीक्यू की आपूर्ति करेगा। अधिकांश देश इन दवाइयों के लिए भारत पर निर्भर हैं। भारतीयों के हितों के मद्देनजर कुछ अस्थाई कदम उठाए गये थे, ताकि घरेलू स्टाक का निर्यात न हो सके। देश में इन दवाओं की आपूर्ति व स्टॉक का आकलन हो चुका है और अब उचित फैसला किया जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दी थी कार्रवाई की धमकी पेज>>3

- ट्रंप की परोक्ष धमकी भारत ने की खारिज, कहा-घरेलू मांग पूरी करने के बाद दूसरे देशों को देंगे दवा
- कोरोना प्रभावित दूसरे देशों को भी होगी आपूर्ति
- पड़ोसी देशों को वरीयता के तौर पर दिया जाएगा एचसीक्यू व पीसीएम

डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

अगर भारत क्लोरोक्विन की आपूर्ति नहीं करता है तो यह उसका फैसला होगा लेकिन ऐसा होने पर प्रतिशोध की कार्रवाई भी हो सकती है।
-डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति

मानवीय आधार पर पहले ही लिया था फैसला : विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि बहुत जरूरमंद देशों को दवाओं की आपूर्ति का फैसला भारत ने मानवीय आधार पर पहले ही ले लिया था। ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने घरेलू सियासी दबाव की वजह से यह बयान दिया हो, क्योंकि गत एक हफ्ते में भारतीय पीएम व अमेरिकी राष्ट्रपति के अलावा दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच भी बातचीत हुई है। साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग में उप विदेश मंत्री एलिस वेल्स भी भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं कि किसी तरह से एचसीक्यू की आपूर्ति हो सके। दूसरी तरफ, भारत यह बताता रहा है कि वह घरेलू जरूरत पूरा करने के बाद ही किसी भी देश को दवाओं का निर्यात कर सकेगा।

कोविड-19 के खिलाफ विदेशी मदद बढ़ाएगा भारत

नई दिल्ली : भारत ने विदेशी मदद की रफ्तार बढ़ाने का भी फैसला किया है। मंगलवार को श्रीलंका को 10 टन चिकित्सकीय सामग्री पहुंचाई गई। इसके पूर्व मालदीव को तीन माह की चिकित्सीय सामग्री दी जा चुकी है। कुवैत को मदद पहुंचाने की तैयारी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ओमान के सुल्तान व स्वीडन के प्रधानमंत्री से बात की और उन्हें भी हरसंभव मदद का भरोसा दिया। वैसे भारत को भी खाड़ी देशों की जरूरत है। क्रूड व गैस की कीमतों में भारी गिरावट होने के बावजूद इनकी आपूर्ति को लेकर आशंका बनी हुई है। मंगलवार को पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यूएई के राज्य मंत्री और अबूधाबी नेशनल आयल कंपनी के सीईओ सुल्तान अल जबेर से इस हफ्ते में दूसरी बार बात की है।

सोनिया गांधी के विचित्र सुझाव में दिखी आपातकाल वाली मानसिकता

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना जैसे संक्रमण के काल में कांग्रेस ने विचित्र रुख का प्रदर्शन किया है। वैश्विक स्तर पर एकजुटता की कवायदों के बीच भी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की तरफ से राजनीति नहीं रुक रही है। कोरोना वायरस से लड़ाई के लिए सांसदों के वेतन से तीस फीसद की कटौती और सांसद निधि स्थगित किए जाने से बौखलाई कांग्रेस ने जागरूकता और जानकारी के प्रसार के लिए जरूरी मीडिया पर हमला करने की कोशिश की है। आश्चर्य की बात यह है कि यह प्रयास खुद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से हो रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर धन जुटाने के कुछ ऐसे सुझाव दिए हैं, जो अतार्किक और विचित्र तो हैं हीं, प्रतिशोध व वैमनस्य भी दर्शाते हैं। उनका सबसे पहला सुझाव मीडिया को लेकर है। सोनिया गांधी ने कहा कि दो साल के लिए सरकार को प्रिंट, टेलीविजन और ऑनलाइन मीडिया को कोई विज्ञापन नहीं देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष का यह आश्चर्यजनक रुख उस मीडिया के महत्व को जानबूझकर घटाने वाला है जिससे मिलने वाली सूचनाओं पर पूरा देश आश्रित रहता है। कोरोना जैसी आपात स्थिति में मीडिया इसीलिए आवश्यक सेवा में भी शामिल है। कोरोना से जंग की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया से संवाद कर जागरूकता का अभियान छेड़ा था।

मनमाना रुख

- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रहार, दो साल तक विज्ञापन रोकने की दी सलाह
- सांसद निधि रोके जाने से बौखला उठी कांग्रेस ने प्रदर्शित किया संकीर्ण रुख

सोनिया गांधी फाइल फोटो

समाचार पत्र इस मुश्किल वक्त में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए हर पल इस कोशिश में जुटे हैं कि लोगों तक सही जानकारी पहुंचे। जनता की परेशानी और योजनाओं के क्रियान्वयन में कमियां रेखांकित हों। इसके लिए मीडिया में कार्यरत हजारों पत्रकार जान की परवाह छोड़ रोजाना घर से बाहर निकलते हैं।

इन पत्रकारों की जीविका भी बहुत कुछ विज्ञापनों पर निर्भर होती है। सोनिया इसकी भी अनदेखी करतीं नजर आ रही हैं। मीडिया के प्रति सोनिया का यह रुख संभवतः इसलिए है, क्योंकि कोरोना के इस संकट के दौर में भी कांग्रेस की राजनीति करने की कोशिशें अखबारों और अन्य माध्यमों में बेनकाब हो गई हैं। तमाम ऐसे माध्यमों में कांग्रेस आलोचना का पात्र बनी है। कांग्रेस इतिहास दोहराती नजर आ रही है। आपातकाल की तरह ही मीडिया को फिर नष्ट करने की मानसिकता पार्टी पर हावी हो रही है।

संप्रग सरकार के समय बाहर से रहकर खुद सोनिया गांधी ने सरकार को दस साल तक नियंत्रित किया था। वह जानती हैं कि जागरूकता फैलाने के लिए मीडिया को मिलने वाले विज्ञापनों में बहुत बड़ी राशि नहीं जाती है। इसके विपरीत समय-समय पर मीडिया घरानों की ओर से राहत कोष में योगदान दिया जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के काल से लेकर अब तक देश के निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका रही है। सोशल मीडिया की अफवाहों के बीच विश्वसनीय जानकारी पहुंचाने का खासतौर से प्रिंट मीडिया सबसे प्रमुख माध्यम है।

ध्यान रहे कि एक दिन पहले ही मोदी सरकार ने फैसला लिया है कि सांसदों को हर साल मिलने वाली पांच करोड़ की सांसद निधि दो साल के लिए स्थगित रहेगी। इसका कांग्रेस की ओर से विरोध हुआ है। बदले में पैसे जुटाने के लिए सोनिया गांधी ने कुछ और भी सुझाव दिए हैं। लेकिन उनके दो पन्नों के पत्र में वैमनस्य और निराशा की झलक ही अधिक मिलती है।

कांग्रेस अध्यक्ष बोलीं, गैरजरूरी सरकारी खर्च 30 फीसद घटाया जाए पेज>>3

सतर्कता जरूरी

रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद कतई न हों बेफिक्र, दोबारा लौट सकती है बीमारी, एक शोध के नतीजों के मद्देनजर विशेषज्ञ दे रहे अतिरिक्त सावधानी बरतने के सुझाव, नए वायरस को लेकर हो रहा शोध, इसलिए, बरती जा रही अतिरिक्त सावधानी

अस्पताल से छुट्टी के बाद भी 14 दिन होम क्वारंटाइन जरूरी

रूमा सिन्हा, लखनऊ

कोरोना वायरस से होने वाले संक्रमण कोविड-19 से निपटने के लिए डॉक्टर लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। हाल ही में रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जनरल ऑफ इंफेक्शियस डिसीजेज में प्रकाशित केस हिस्ट्री में देखा गया कि कोरोना संक्रमित जिस महिला मरीज को दो टेस्ट नेगेटिव आने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था, घर पहुंचने के चार-पांच दिन बाद उसमें फिर से कोरोना के लक्षण दिखाई देने लगे। जांच में वह फिर कोरोना पॉजिटिव पाई गई। कुछ दिनों के होम क्वारंटाइन के बाद फिर जांच की गई तो जांच रिपोर्ट निगेटिव आई।

इस शोध के मद्देनजर वैश्विक स्तर पर कोरोना को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने के सुझाव दिए जा रहे हैं। वजह यह है कि वैज्ञानिक और चिकित्सक अभी अंतिम तौर पर कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हैं। यह एक नया वायरस है जिस पर अभी विभिन्न स्तरों पर अध्ययन जारी है। यही वजह है कि कोरोना की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद भी डॉक्टर 14 दिन के होम क्वारंटाइन की सलाह दे रहे हैं। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के इनफेक्शियस डिजीज हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. डी हिमांशु बताते हैं कि मरीज दो रिपोर्ट लगातार नेगेटिव आने के बाद डिस्चार्ज किए जा रहे हैं। सावधानी यह भी बरती जा रही है कि जब एक रिपोर्ट नेगेटिव आ जाती है तो उसके 48 घंटे के अंतर पर दूसरी जांच कराई जाती है। यानी इस प्रक्रिया में यदि कहीं वायरस की कोई संभावना थोड़ी भी शेष बची हो वह भी समाप्त हो जाए। मरीज व उसके परिवार वालों को इस बात के निर्देश दिए जा रहे हैं कि वह 14 दिन होम क्वारंटाइन में रहकर निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करें।

बरती जाती हैं ये सावधानियां : डॉ. हिमांशु कहते हैं कि मंगलवार को तीन मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। मरीजों को डिस्चार्ज करने से पहले नहाने के लिए कहा जाता है। इसके बाद उन्हें एच2ओ2 (विशेष रसायन) वाइप से क्लीन किया जाता है। विसंक्रमित किए गए कपड़े पहनाए जाते हैं। उनके द्वारा उतारे गए कपड़ों को इंसीनरेटर में भेज दिया जाता है। उनके सभी सामान को डिसइंफेक्ट किया जाता है। कमरे से बाहर निकलने से पहले उन्हें मास्क व शू कवर पहनाए जाते हैं। कोशिश यही रहती है कि उन्हें एंबुलेंस से ही घर छोड़ा जाए। जो लोग अपनी गाड़ी में जाना चाहते हैं उनकी गाड़ी को हाइपोक्लोराइट सॉल्यूशन स्प्रे कर सैनिटाइज कराया जाता है। उनसे कहा जाता है कि घर पहुंचने के बाद अपनी गाड़ी को फिर से साफ कर सैनिटाइज करें। घर जाकर सबसे पहले नहाएं और कपड़ों को 0.5 फीसद ब्लीचिंग पाउडर डालकर 70 डिग्री सेल्सियस पर गर्म किए हुए पानी में वॉश करें। साथ ही अन्य सामान (मोबाइल, लैपटॉप, घड़ी ,चश्मा)को भी सैनिटाइज करें। घर में उन्हें एक कमरे में 14 दिन तक आइसोलेशन में रहने की कड़ी हिदायत दी जाती है। यह उनके परिवार के लिए बहुत जरूरी है।

प्रतीकात्मक फोटो

घर वालों की भी काउंसलिंग

मरीज को डिस्चार्ज करने से पहले उनके घर वालों की भी काउंसलिंग की जाती है। परिजनों को सावधानी के तौर पर हाइड्रोक्सी क्लोरोक्विन दवा तीन हफ्ते के लिए दी जाती है। पहले दिन सुबह-शाम दो गोली, फिर हफ्ते में एक बार गोली खाने की सलाह दी जाती है। ध्यान रहे की हाइड्रोक्सी क्लोरोक्विन केवल संक्रमित व्यक्ति के परिवार वालों को ही दी जाती है। सामान्य व्यक्ति इसका सेवन नहीं कर सकते।

दिल्ली के मुस्लिम बहुल इलाकों में छिपे हैं सैकड़ों तब्लीगी

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

तब्लीगी खुद आगे आकर पहचान बताने की बजाए पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम से छिप रहे हैं। नतीजतन संक्रमण का दायरा बढ़ता जा रहा है। वहीं पुलिस लगातार इनसे सामने आकर टेस्ट कराने की अपील कर रही है। सोमवार शाम चांदनी महल स्थित मस्जिदों व होटलों में छिपे 102 जमातियों को पुलिस ने खोज निकाला और गुलाबी बाग स्थित क्वारंटाइन सेंटर भेजा। पुलिस को शक है कि दिल्ली के मुस्लिम बहुल इलाकों में अभी भी सैकड़ों जमाती छिपे हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, चांदनी महल क्षेत्र से निकाले गए जमातियों में 65 विदेशी हैं, जो मलेशिया, म्यामार, श्रीलंका, अफगानिस्तान, अल्जेरिया, इंडोनिशिया, थाइलैंड, बांग्लादेश, इंगलैंड, सिंगापुर, फ्रांस व कुवैत आदि देशों से भारत आए थे। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं, ये सभी मौलाना साद के निमंत्रण पर 13-15 मार्च को तब्लीगी जमात के निजामुद्दीन स्थित मरकज में होने वाले विशेष आयोजन में शामिल होने आए थे। इसके बाद से दिल्ली के मुस्लिम बहुल इलाकों में मस्जिदों, मदरसों व होटलों के अलावा स्थानीय लोगों के घरों में ठिकाना बनाए हुए थे।

मौलाना साद समेत सात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

नई दिल्ली : निजामुद्दीन में स्थित तब्लीगी जमात के मरकज के प्रमुख मौलाना मुहम्मद साद सहित सात लोगों के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है। (पेज-4)

पता चलते ही क्वारंटाइन करा रही पुलिस पेज>>4